एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 02, अंक: 02 (मार्च-अप्रैल, 2022)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

पत्तागोभी में लगने वाले प्रमुख कीटों का प्रबन्धन

(*डॉ. सुरेश जाखड़[1] एवं प्रदीप कुमार कुमावत[2])

[1]राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर (श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर)

[2]शेर ए कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जम्मू

* jakhars.692@gmail.com

पत्तागोभी जिसे हम 'बंदगोभी' भी कहते हैं, पौष्टिक गुणों का भंडार है। इससे कई रोगों को दूर किया जा सकता है। अनुसंधान के आधार पर प्राप्त जानकारी के अनुसार सर्दियों की पछेती बंदगोभी में कीटों व बीमारियों के प्रकोप से लगभग 20–25 प्रतिशत नुकसान होता है। जिससे बचने के लिए किसान जहरीली रासायनिक दवाओं का छिड़काव करते हैं। इसलिए सब्जियों में नुकसान पहुंचाने वाली बीमारियों और कीटों की जानकारी होना और इनसे बचाव की ऐसी विधि को अपनाना जिसमें रासायनिक दवाईयों का उपयोग कम से कम हो, हमारी आवश्यकता बन गई है।

प्रमुख नाशीकीटः– हीरक पीठ कीट, मोयला (एफिड), आरा मक्खी (सा–फ्लाई), पत्ती जालक (लीफ वेबर) कीट।

प्रमुख रोगः– तुलासिता, आर्द्रगलन (डैम्पिंग ऑफ), ब्लैक लैग, आल्टरनेरिया (पत्ती धब्बा), चूर्णिलआसिता, स्क्लेरोक्टोनिया विगलन

विभिन्न अवस्थाओं पर प्रबंधन

नर्सरी अवस्था

- नर्सरी के स्थान का चयन इस प्रकार करें जहाँ पानी जमा न हो जमीन से 6 से 10 इंच ऊंची क्यारी बनाकर करें और इसे 20–25 दिन तक आधा मि.मी. मोटी पॉलीथिन की पारदर्शी चादर से ढ़क कर रखें।
- नर्सरी की बुवाई के समय नीम की खली की 50 ग्राम मात्रा को प्रति वर्ग मीटर की दर से मिट्टी में मिला दें।
- ट्राईकोडर्मा हर्जेनियम की 5 ग्राम मात्रा को 1 किलोग्राम सड़ी हुई गोबर कि खाद में अच्छी तरह मिलाकर एवं ढ़ककर एक सप्ताह के लिए छोड़ दें। बाद में 1 कि.ग्रा. प्रति वर्ग मी. क्यारी की दर से इसे अच्छी तरह मिला दें।
- नर्सरी अवस्था में आर्द्रगलन व जड़ गलन रोग के नियंत्रण हेतु ट्राईकोडर्मा हर्जेनियम (4 ग्राम) तथा मोयला कीट नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड 70 डब्लू.एस. 2–4 ग्राम/किलोग्राम बीज के अनुसार 10–15 मि.ली. पानी में मिलाकर पेस्ट बना लें तथा इस पेस्ट से 1 किलोग्राम बीज को उपचारित करने के पश्चात कतार में बुवाई करें।
- नर्सरी अवस्था में कीटों एवं बीमारियों का प्रकोप होने पर नीम के 5 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें।

रोपाई के समय

- मोयला कीट के नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. (5–10 मिली./10 लीटर पानी) को पानी में मिलाकर पौधों की जड़ों को दस मिनट के लिए घोल से उपचारित करने के बाद ही पौधों की रोपाई करें।

- रोपाई से पूर्व 6–10 इंच ऊँची मेड़ बना लेनी चाहिए और रोपाई मेड़ पर करनी चाहिए।

रोपाई से कटाई तक

- सरसों की फसल को गोभी के साथ ट्रैप फसल के रूप में उगाना चाहिए। इसके लिए गोभी की प्रत्येक 25 पंक्ति के बाद सरसों की एक पंक्ति (25:1) लगानी चाहिए। कीट सरसों की फसल पर आकर्षित होते हैं, जिस पर कीटनाशक का छिड़काव करके कीट को नियंत्रित कर सकते हैं।
- हीरक तितली कीट पर निगरानी रखने के लिये पोधों की रोपाई उपरांत खेत में फैरोमोन ट्रेप (5/हैक्टर की दर से) लगायें। ट्रेप में फंसे पतंगों की संख्या 8–10 प्रति ट्रेप प्रति रात्रि होने पर तुरन्त हीरक तितली के नियंत्रण हेतु अण्डों के परजीवी ट्राइकोग्रामा को 1,00,000 परजीवी/हैक्टर की दर से एक सप्ताह के अन्तराल पर चार से पांच बार छोड़ें।
- हीरक तितली कीट के नियंत्रण के लिए पत्ता गोभी छेद/रेपर ग्रसित होने पर कीटनाशक दवाओं का उपयोग शुरू करें। पत्ती जालक कीट रोपाई के उपरांत फसल में 40 दिन तक अत्यधिक नुकसान पहुंचता है। इस कीट के नियंत्रण हेतु कीटनाशक दवाओं का उपयोग 15 प्रतिशत पौधे ग्रसित होने पर शुरू करें।
- हीरक तितली, आरा मक्खी, पत्ती जालक कीट के नियंत्रण के लिए सुरक्षित कीटनाशक जैसे इन्डोक्सिकार्ब 14.5 एससी. (1 मिलिलीटर प्रति लीटर पानी) या इमामेक्टिन बैंजोएट 5 एस.सी. (0.5 ग्राम प्रति लीटर पानी) का छिड़काव करें।
- रोग ग्रसित पत्तियों को तोड़कर समय–समय पर नष्ट करें। जरूरत पड़ने पर मेन्कोजेब या कार्बेन्डेजिम या रिडोमिल एम.जेड. 2 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। मैंगनीज, जस्ता तथा बोरोन की बहुत ही कम मात्रा पाई जाती है।